प्रसार बुलेटिन सं०- V/H/F/236/2020

ग्रीष्मकालीन ऋतु में
सब्जी उत्पादन की उन्नत तकनीक

सुश्री स्वप्निल भारती
विषय वस्तु विशेषज्ञ (उद्यान)
श्री संजीव कुमार
कार्यक्रम सहायक (लैब तकनीशियन)

कृषि विज्ञान केन्द्र
हरिहरपुर, हाजीपुर (वैशाली)
डॉ० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा, समस्तीपुर- 848125 (बिहार)

पोषक एवं औषधीय गुणों के कारण हमारे दैनिक जीवन में ताजी व हरी सब्जियों का अत्यधिक महत्व है। सब्जी उत्पादन वाले प्रदेशों में उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाम के बाद बिहार का स्थान है, लेकिन इसकी उत्पादकता में बहुत अंतर है। उत्पादन की नई तकनीक अपनाकर हम सब्जियों की खेती करें तो निश्चित ही कुल उत्पादन में बढ़ोतरी होगी एवं उत्पादकता भी बढ़ेगी। फरवरी महीने से ज्यादा फसलों की बुआई का सयम शुरु है एवं इन फसलों की बुआई मार्च तक चलती है। थोड़ी सी सर्तकता के साथ किसान अगर अभी से पौधा तैयार कर फरवरी मार्च में खाली होने वाले खेत में सब्जियों की बुआई कर दे तो समय से पहले आई फसल का बाजार भाव अच्छी मिलने से उनका लाभ बढ़ जायेगा । इस मौसम में टमाटर, खीरा, लौकी, तोरई, बैगन, भिण्डी, मिर्ची जैसे सब्जियों की बुआई करनी चाहिए।

इस मौसम में लगाई जाने वाली सब्जियों की उन्नत किस्में

सब्जियाँ	उन्नत किस्में
टमाटर	अर्का विकास, अर्का आलोक, पूसा रुबी काषी सरद, काषी अनुपम
बैगन	पूसा पर्पल लौंग, पूसा अनुपम, पूसा उत्तम, पूसा उपकार, पंत ऋतुराज पंत सम्राट
मिर्च	अर्का लोहित, गौरव, पूसा ज्वाला, पूसा सदावहार, पंत सी0 1, पंजाब लाल
कद्दू	पूसा समर, कल्याणपुर लौंग, काषी कोमल, पूसा संदेष, पूसा मेगदूत
खीरा	वालन खीरा, पूसा उदय, पूसा बर्खा, स्वर्ण अगेती
तरबूज	दुर्गापुर केसर, अर्का मानिक, दुर्गापुर मीठा, सुगर बेबी
खरबूज	दुर्गापुर मधु, पंजाब सनहरी, पंजाब रसीला, अर्का राजहंष
बोड़ा	पूसा फाल्गुनी, पूसा ब्रामासी, अर्का गरिमा, पूसा कोमल
नेनुआ	कल्याणपुर हरा, पूसा स्नेह, पूसा, सुप्रिया, पूसा चिकनी

खेत की तैयारी :- सब्जियों के लिए दोमट, बलुआट दोमट एवं मटियार दोमट मिट्टी जिसका पी0 एच0 मान 6-7 हो एवं उचित जल निकास हो उत्तम मानी जाती है । बीज बुआई/पौधा रोपाई से दो से तीन सप्ताह पूर्व खेतों की मृदा की

अच्छा से खुदाई कर घास- फूस को निकालकर बाहर कर लेना चाहिए । मिट्टी के ढेलों को तोड़कर भूरभूरा बना लें इससे बीज डालने/पौधा रोपण से पहले बढ़िया खेत तैयार हो सकेगी। खेत को तैयार करने के बाद इसमें सड़ी गोबर की खाद मृदा में अच्छी तरह मिला देनी चाहिए।

खाद एवं उर्वरक प्रबंधन :- बुआई से पहले खेतों में खाद एवं संस्तुत उर्वरक को एक सामान छिड़कर मृदा में अच्छी तरह मिला दे। विभिन्न सब्जियों के लिए खाद एवं उर्वरक की आवश्यक मात्रा अलग-अलग होती है। बुआई/पौधा रोपण से पहले नाइट्रोजन की 1/3 शेष 2/3 मात्रा को दो से तीन बार बराबर-बराबर मात्रा में बाटकर खड़ी फसल में प्रयोग करनी चाहिए ।

सब्जियाँ	सड़ी गोबर की खाद (क्वि0/हे0)	नाइट्रोन: फॉस्फोरस:पोटास (किलो0/हे0)
टमाटर	200-250	120:80:80
बैगन	200-250	120:80:80
भिण्डी	150-200	120:60:60
मिर्च	250-300	100:40:40
कद्दू	200-250	60:40:40
खीरा	200-250	60:40:40
तरबूज	200-250	60:40:40
खरबूज	200-250	60:40:40
करेला	200-250	60:40:40
बोरा	150	30:50:40
नेनुआ	200-250	60:50:40

सिंचाई :- पौधों की आवश्यकता अनुसार ही सिंचाई करनी चाहिए। बार-बार एवं अधिक पानी देना पौधों के बढ़वार के लिए उत्तम नहीं है। टपक सिंचाई विधि से सिंचाई करने पर बचत के साथ-साथ पौधों की वृद्धि एवं विकास तेजी से होती है।

पौधशाला प्रबंधन:- कुछ सब्जियों जैसे टमाटर, बैगन, हरा मिर्च, खरबूज आदि के लिए अच्छी तरह से पौधशाला तैयार करने के लिए उठी हुई क्यारियों में अथवा पोट्रे में शोधित बीज बोनी चाहिए। क्यारियों की लंबाई तीन मीटर, चौड़ाई एक मीटर और ऊँचाई 15 से0मी0 होनी चाहिए। लम्बाई आवश्यकतानुसार घटाई

या बढ़ाई जा सकती है। इसमें 20 से 25 किलो0 गली सड़ी ग ... खाद 200 ग्राम एस0एस0पी0 और 20-25 ग्राम कीटनाशक क्लोरोपाइरीफॉस ... घोल मिला देना चाहिए। पौधा तैयार करने के लिए बीजों को 1-1.5 से0 गहराई एवं 7-8 से0 की आपसी दूरी पर कतारों में बुआई करनी चाहिए। बुआई के तुरन्त बाद नर्सरी को हल्के पुआल से ढक देना चाहिए एवं फब्बारा विधि से सिंचाई करनी चाहिए । अंकुरण के तुरंत बाद पुआल को हटा देना चाहिए। बीज बुआई से 21-25 दिनों बाद पौधे रोपण के लिए तैयार हो जाते है।

सदस्य प्रबंधन :-

सब्जियाँ	बीज की मात्रा (कि0/हे0)	बुआई का समय	पौधा रोपण का समय	कतार से कतार दूरी (से0)	पौध से पौध की दूरी (से0)
टमाटर	0.4-0.5	अक्टूबर-जनवरी	फरवरी-मार्च	50-60	30-45
बैगन	0.25-0.3	दिसंबर-फरवरी	फरवरी-मार्च	75-90	60-70
मिर्च	0.8-1	दिसंबर-फरवरी	फरवरी-मार्च	45-60	30-45
भिण्डी	15-18	मार्च-मई	-	45	30
कद्दू	6-7	फरवरी-जून-जुलाई	-	300	100
खीरा	3-4	मार्च-जून-जुलाई	-	150	75
तरबूज	2-3	जनवरी-फरवरी	-	250	100
खरबूज	3-4	जनवरी-फरवरी	फरवरी-मार्च	125	60
बोरा	25-30	जनवरी-फरवरी	-	45	45
नेनुआ	4-5	फरवरी-मार्च	-	150	150

सब्जियों की तुड़ाई एवं रख-रखाव :- सब्जियों की अच्छी तरह बढ़वार हो जाने पर उपयुक्त अवस्था एवं उचित समय पर ही तुड़ाई-कटाई सावधानी पूर्वक करनी चाहिए जिससे पैदावार भी ज्यादा मिलती है और उनका स्वाद भी अच्छा रहता है। नजदीक की मण्डी में भेजने के लिए सब्जियों की तुड़ाई सुबह तथा दूर की मण्डी में भेजने के लिए तुड़ाई सायांकाल में करनी चाहिए। सब्जियों की तुड़ाई के पश्चात् उन्हें बांस की टोकड़ी में रखकर नजदीकी मंडी भेज देना चाहिए एवं अच्छी आमदनी के लिए अगेती एवं पिछेती सब्जियों को बड़े सब्जी मण्डी में भेजने के लिए सी0 एफ0 बी0 के डब्बों में पैक करके भेजना चाहिए जिससे सब्जियों की ताजगी बरकरार रहती है।